

---

nRisinhasotra

—  
ॐ  
—

Document Information



---

Text title : nRisi.nhasotra

File name : nrishastotra2.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, stotra, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : Traditional

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : December 30, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



—  
ॐ  
—  
नृसिंहस्तोत्र  
—  
ॐ  
—

श्री गणेशाय नमः ।  
सुरासुरशिरोरत्नकान्तिविच्छुरिताङ्घ्रये ।  
नमस्त्रिभुवनेशाय हरये सिंहरूपिणे ॥ १ ॥

शत्रोः प्राणानिलास्तत्र वयं दश जयोऽत्र कः ।  
इति कोपादिवाताम्राः पान्तु वो नृहरेर्नखाः ॥ २ ॥

प्रोज्ज्वलज्वलनज्वालाविकटोरुसटाछटः ।  
श्वासक्षिप्तकुलक्ष्माभृत्पातु वो नरकेसरी ॥ ३ ॥

व्याधूतकेसरसटाविकरालवक्त्रं  
हस्ताग्रविस्फुरितशङ्खगदासिचक्रम् ।  
आविष्कृतं सपदि येन नृसिंहरूपं  
नारायणं तमपि विश्वसृजं नमामि ॥ ४ ॥

दैत्यास्थिपञ्जरविदारणलब्धरन्ध्र  
रक्ताम्बुनिर्जरसरिद्धनजातपङ्का ।  
बालेन्दुकोटिकुटिलाः शुकचञ्चुभासो  
रक्षन्तु सिंहवपुषो नखरा हरेर्वः ॥ ५ ॥

दिश्यात्सुखं नरहविर्भुवनैकवीरो  
यस्याहवे दितिसुतोद्दलनोद्यतस्य ।  
क्रोधोद्यतं मुखमवेक्षितुमक्षमत्वं  
जानेऽभवन्निजनखेष्वपि यन्नतास्ते ॥ ६ ॥

॥ इति नृसिंहस्तोत्रम् ॥



*nRisinhastotra*

pdf was typeset on December 22, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

